केन्द्रीय विद्यालयों में शिक्षा के स्तर में गिरावट

635. **श्री कामेश्वर पासवान:** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान केन्द्रीय विद्यालयों के शिक्षा स्तर में तेजी से गिरावट आई है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) यदि नहीं, तो केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा उनके स्कूलों में चल रहे शिक्षण कार्य की आकस्मिक निरीक्षण कराने की क्या व्यवस्था की गई है ;

(घ) क्या यह सच है कि गोल मार्किट, जो कि दिल्ली का एक वी०आई०पी० क्षेत्र है, स्थित केन्द्रीय विद्यालय के अध्यापक अधिकांशत: अपनी कक्षाओं में नहीं होते हैं ; और

(ङ) यदि नहीं, तो पिछले दो वर्षों के दौरान केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा इस स्कूल का कितनी बार आकस्मिक निरीक्षण कराया गया?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) (क) जी, नहीं । तथापि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के दिल्ली क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालयों के वर्ष 1993 की तुलना में 1994 में कक्षा XII में उत्तीर्ण प्रतिशत में स्पष्ट कमी को दर्शाया है ।

(ख) और (ग) केन्द्रीय विद्यालय में संगठन से उन कारणों को स्पष्ट करने और उपयुक्त कार्रवाई करने के लिए कहा गया है ।

(घ) और (ङ) केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार गोल मार्किट के विद्यालय में शिक्षकों के अपनी कक्षा से अनुपस्थित रहने के बारे में संगठन को बोर्ड कोई भी रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है । केन्द्रीय विद्यालय संगठन के दिल्ली क्षेत्र के निरीक्षण दल ने 1993-94 के दौरान इस विद्यालय के चार निरीक्षण किए ।

1994 की परीक्षा में बैठे केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की संख्या में गिरावट

636. **श्री गोविन्द राम मिरी :**
श्री ज.एस. राजू :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 1994 की परीक्षा में बैठे केन्द्रीत विद्यालयों के विद्यार्थियों की संख्या में गिरावट आने के क्या कारण हैं तथा अन्य विद्यालयों के परीक्षा-फलों की तुलना में केन्द्रीय विद्यालयों के उत्तीर्ण उम्मीदवारों में कितने प्रतिशत की गिरावट आई है ; और

(ख) स्थिति में सुधार लाने के लिये सरकार द्वारा क्या उपाय किये जाने की संभावना है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री कुमारी शैलजा) (क) और (ख) केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बताया है कि वर्ष 1994 का बारहवीं कक्षा में पास होने वालों की प्रतिशतता, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के दिल्ली क्षेत्र के केन्द्रीय विद्यालयों के वर्ष 1993 की प्रतिशतता से काफी कम है । केन्द्रीय विद्यालय संगठन को इसके कारणों का विश्लेषण करने तथा इस संबंध में उचित कदम उठाने के लिए कहा गया है ।